



9 मिनट में 28 हजार फीट नीचे आया विमान, गिराना पड़ा 30 टन ईंधन, बाल-बाल बची यात्रियों की जान

वाशिंगटन

अमेरिका के शिकागो के लिए उड़ान भरने वाला ब्रिटिश एयरवेज का एक विमान हवा में एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचा। आयरलैंड के ऊपर उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी आने के बाद विमान महज 9.5 मिनट के भीतर 28,000 फीट नीचे आ गया, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। आपात स्थिति को देखते हुए विमान को लगभग 30 टन ईंधन आसमान में ही गिराना पड़ा और उसे तत्काल लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर वापस उतारना पड़ा।

घटना के समय विमान 37,000 फीट की

ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था, जब उसमें समस्या उत्पन्न हुई और वह तेजी से 9,000 फीट पर आ गया। इस गंभीर स्थिति की सूचना देने के लिए विमान ने 7700 आपातकालीन कोड भेजा। विमानन क्षेत्र में इस कोड का मतलब होता है कि विमान के साथ कोई आपातकाल दिक्कत हो गई है।

यह संदेश किसी खास समस्या का जिक्र नहीं करता, बल्कि यह बताता है कि क्रू को तत्काल सहायता की जरूरत है और लैंडिंग के लिए रास्ता साफ किया जाए। फ्लाइट ट्रेकिंग डेटा के अनुसार, विमान की यह तीव्र गति इतनी खतरनाक थी कि अगर यह सिलसिला अगले

तीन मिनट तक और जारी रहता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। ब्रिटिश एयरवेज के एक प्रवक्ता ने इस घटना पर बयान जारी करते हुए कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि तकनीकी समस्या के बाद, उनके अत्यधिक प्रशिक्षित पायलटों ने विमान को हीथ्रो पर सुरक्षित रूप से उतार लिया। प्रवक्ता ने आश्वासन दिया कि यात्रियों को सामान्य तरीके से विमान से उतारा गया और उनकी टोमें जल्द से जल्द उनकी आगे की यात्रा योजनाओं को व्यवस्थित करने के लिए काम कर रही हैं। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से स्थानीय समयानुसार

पूर्वाह्न 11:50 बजे शिकागो ओहारे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (ओआरडी) के लिए उड़ान भरने वाली यह फ्लाइट बीए295 थी। बोइंग 777-200ईआर माडल का यह विमान आठ घंटे 40 मिनट की निर्धारित यात्रा पर था। उड़ान भरने के लगभग एक घंटे बाद 37,000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही इसमें समस्या उत्पन्न हुई, जिसके कारण यह आपातकालीन स्थिति पैदा हुई। इस घटना ने विमानन सुरक्षा के महत्व और हवाई यात्रा के दौरान अप्रत्याशित चुनौतियों से निपटने के लिए क्रू के कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है, जिसने सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई।

न्यूज़ ब्रीफ

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक पद के लिए चुनाव में नेपाल डा. संगीता कौशल मिश्रा को उतारना

काठमांडू। नेपाल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय



निदेशक पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डा. संगीता कौशल मिश्रा को इस पद के लिए उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है।

यह पद बांग्लादेश की पूर्व क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद के इस्तीफे के बाद रिक्त हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने मिश्रा की उम्मीदवारी आगे बढ़ाने का फैसला किया है और सदस्य देशों का समर्थन हासिल करने के लिए कूटनीतिक प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। डब्ल्यूएचओ नए क्षेत्रीय निदेशक के चुनाव का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, 12 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने और 24 जनवरी को चुनाव होने की संभावना है। नेपाल के अलावा भूटान, मालदीव और श्रीलंका भी अपने-अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में कुल 11 सदस्य देश हैं। हालांकि, इस बार 10 देशों के ही मतदान में हिस्सा लेने की संभावना है। 2021 के सैन्य उखाड़पलट के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण म्यांमार मतदान प्रक्रिया से बाहर रहेगा। नेपाल, भारत, भूटान, उत्तर कोरिया, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड और तिमोर-लेस्ते सहित सदस्य देशों के वोट इस चुनाव में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत का रुख चुनाव के नतीजे पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

सेनेगल में भारी बारिश से बाढ़ की आफत, कई लोगों की मौत



डकार। पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर पानी भरने और इमारतों के क्षतिग्रस्त होने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सरकार ने डकार और अन्य इलाकों में कई लोगों की मौत तथा लोगों के घायल होने की जानकारी दी है। अधिकारियों ने आने वाले दिनों में और बारिश की चेतावनी भी दी है। राजधानी डकार समेत कई क्षेत्रों में अचानक आई बाढ़ से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। यह स्थिति ऐसे समय बनी है, जब सेनेगल 31 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026 समर यूथ ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। बाढ़ ने देश के बुनियादी ढांचे के सामने भी चुनौती खड़ी कर दी है। गृह मंत्रालय के अनुसार, डकार और उत्तर-पूर्वी शहर माताम में बारिश से कई लोगों की मौत और कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। दक्षिणी शहर काओलेक में एक इमारत के ढहने की भी जानकारी दी गई है। स्थानीय मीडिया ने एक महिला और उसके बच्चे की मौत की खबर दी है। प्रधानमंत्री अहमदु अल अमीनू लो ने कहा कि बुधवार को भी बारिश होने की संभावना काफी अधिक है।

गोपनीय सूचना लीक करने वालों पर होगी कार्रवाई: गृहमंत्री गुरुंग

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने कहा है कि गोपनीय या संवेदनशील सूचनाएं लीक करने वाले



हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गुरुंग ने फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि

राज्य द्वारा सौंपी गई गोपनीयता का उल्लंघन कर जानबूझकर देश या अपने संगठन के साथ विश्वासघात करने वाले किसी भी व्यक्ति को छूट नहीं दी जाएगी और ऐसे लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा। सरकार ने संवेदनशील सूचना लीक करने के आरोप में सशस्त्र पुलिस बल के एआईजी बंशीराज दाहाल को निलंबित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने दाहाल पर पद संबंधी आचरण का उल्लंघन करने और संवेदनशील सूचनाएं लीक करने का आरोप लगाया है। गुरुंग ने लिखा, मैं लंबे समय से गृह मंत्रालय और उसके अधीनस्थ निकायों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की उस प्रवृत्ति पर कड़ीबी नजर रख रहा हूँ, जिसमें वे अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों को भूलकर गोपनीय या संवेदनशील सूचनाएं अनधिकृत व्यक्तियों या संस्थाओं को लीक कर देते हैं। उन्होंने कहा, राज्य की संवेदनशील जानकारी किसी की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जिम्मेदारी है। किसी पद पर होने से व्यक्ति को जानकारी तक पहुंच मिलती है, लेकिन उसका दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं मिलता। यहां पास छेटी से छेटी सूचना, सुराग या खुफिया जानकारी भी भविष्य में अपराध रोकने, जांच को आगे बढ़ाने या किसी गंभीर घटना की सच्चाई स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

अमेरिका, चीन और रूस चांद पर न्यूक्लियर पावर रिएक्टर बनाने की कर रहे प्लानिंग

नासा ने अगस्त में ऐसे परमाणु रिएक्टर की तैयारी करने को लेकर जारी किया था नोटिस

वाशिंगटन

भारत जैसे देश में एनर्जी प्रोडक्शन के लिए अभी तक पर्याप्त संख्या में न्यूक्लियर रिएक्टर डेवलप नहीं किए जा सके हैं। वहीं, अमेरिका, चीन और रूस जैसे देश धरती तो छोड़िए अब चांद पर न्यूक्लियर पावर रिएक्टर बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि चांद पर भेजे गए मिशन को लंबे समय तक एनर्जी मिलता रहे, इसलिए इस मिशन पर काम किया जा रहा है। साल 2030 तक चांद पर न्यूक्लियर पावर रिएक्टर स्थापित भी कर दे। वहीं, रूस और चीन साथ मिलकर यह काम साल 2036 तक कर सकते हैं। इन सबके बीच एक बड़ा सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि क्या चांद के भूभाग पर अधिकार का दावा किया जा सकता है दरअसल अमेरिका, चीन और रूस चांद पर परमाणु रिएक्टर विकसित करने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इन देशों का मानना है कि लंबे समय तक चांद पर बेस स्थापित करने, वहां के संसाधनों की खोज और अंतरिक्ष में आगे के मिशनों को समर्थन देने के लिए भरोसेमंद परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा ने अगस्त में ऐसे परमाणु रिएक्टर की तैयारी करने को लेकर नोटिस जारी किया था, जो अंतरिक्ष यात्रा के दौरान सुरक्षित रह सके और चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास बिना नियमित मानवीय रखरखाव के काम कर सके। नासा का लक्ष्य इसे दिसंबर 2030 तक प्रक्षेपण के लिए तैयार करना है। वहीं, रूस चीन के साथ अपने गोपनीय सहयोग के तहत सेलेना नामक चंद्र परमाणु रिएक्टर विकसित करने की योजना बना रहा है। इसे साल 2036 तक तैयार करने का लक्ष्य है। इस रिएक्टर से चीन के नेतृत्व वाले लूनर स्टेशनों को बिजली उपलब्ध कराने की योजना है। चांद पर स्थायी बेस के लिए लगातार बिजली की जरूरत होगी। सौर ऊर्जा दिन के समय उपयोगी है, लेकिन चांद की रात पृथ्वी के हिसाब से दो सप्ताह से ज्यादा लंबी होती है। ऐसे में केवल सौर पैनल पर निर्भर रहना मुश्किल है। परमाणु रिएक्टर सूर्य की रोशनी के बिना भी लंबे समय तक बिजली उपलब्ध करा सकते हैं और सीमित



ईरान में युवा और महिलाएं ले रही मिलिट्री ट्रेनिंग, चला रही खतरनाक हथियार

तेहरान। ईरान ने फिर संकेत दिया है कि वह अमेरिका के सामने नहीं झुकेगा। ईरान में युवाओं के बड़े पैमाने पर वालेंट्री आर्मी में जाने की इच्छा के बाद महिलाओं ने मिलिट्री ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया है। ईरानी महिलाएं स्वेच्छा से हथियार चलाना सीख रही हैं ताकि अमेरिका-इजराइल की फौजें उनकी जमीन पर उतरें तो उनको महतोज जवाब दिया जा सके। तेहरान से महिलाओं की ट्रेनिंग की तस्वीरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की हजारों महिलाओं ने तेहरान में हथियारों की ट्रेनिंग में हिस्सा लिया। इमाम हुसैन स्क्वायर पर बने एक मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में महिलाओं ने मिलिट्री अधिकारियों और इंस्ट्रक्टरों की बातें सुनीं। इसके बाद महिलाओं को हैंडगन समेत कई तरह के हथियार चलाने, खासतौर से निशाना लगाकर फायरिंग करने की ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान कई महिलाओं ने अमेरिका-इजराइल को जमीनी अभियान की चुनौती भी दे डाली। तेहरान में ट्रेनिंग ईरान की ओर से हफ्त-ए-तीर स्क्वायर पर आम नागरिकों के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर खोलने के एक दिन बाद की गई है। ट्रेनिंग सेंटर्स से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन सुविधाओं का मकसद आम नागरिकों और महिलाओं को अमेरिकी और इजराइली सेनाओं के जमीनी हमले के खिलाफ खड़ा करना है। इस ट्रेनिंग में हिस्सा लेने वाली महिलाओं के लिए ये ड्रिल मुसीबत के समय अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए तैयार रहने के बारे में थी। 45 साल की एक महिला ने इस ट्रेनिंग के दौरान कहा कि अपने परिवार और पड़ोस की रक्षा करना सीखने से उनका हौसला बढ़ा है।

मानवीय हस्तक्षेप में काम कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक नासा का प्रस्तावित लूनर रिएक्टर-1 करीब 20 किलोवाट बिजली पैदा करने और पांच साल तक बिना हस्तक्षेप के काम करने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। रूस का सेलेना रिएक्टर 10 किलोवाट तक बिजली पैदा कर सकता है और करीब एक दशक तक स्वायत्त रूप से संचालन के

लिए प्रस्तावित है। इस दौड़ ने अंतरिक्ष कानून से जुड़े सवाल भी खड़े किए हैं। साल 1967 की आउटर स्पेस ट्रीटी के तहत कोई भी देश चांद पर अपना क्षेत्रीय अधिकार नहीं जता सकता। भविष्य में लूनर बेस के आसपास सुरक्षा क्षेत्र बनाने और वहां दूसरे देशों की गतिविधियों को सीमित करने का सवाल विवाद का कारण बन सकता है।

रिपब्लिकन पार्टी में बगावत, मिडटर्म में हार के डर से ट्रंप से नहीं चाहते प्रचार कराना

सर्वे में खुलासा, ऊंची कीमतों के लिए ट्रंप की नीतियां जिम्मेदार, 30फीसदी ही खुश

न्यूयार्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ उनकी अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत मिले हैं। ट्रंप की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मध्यवधि चुनाव में ट्रंप का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने ट्रंप से दूरी बना ली है। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रंप और उनके अमेरिका फर्स्ट एजेंडों का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं।

एक सर्वे के मुताबिक सिर्फ 30फीसदी अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रचलित रेटिंग 26फीसदी है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17फीसदी है। 65फीसदी से ज्यादा अमेरिकी बढती कीमतों के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार बता रहे हैं। आयोवा से सांसद और सीनेट उम्मीदवार एरले हिंसन और मिशिगन की सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। आयोवा के सांसद जैक नन और मैरियानेट मिलर-मीक्स ने ट्रंप की युद्ध शक्तियां सीमित करने के लिए डेमोक्रेट्स के



साथ वोट किया। फ्लोरिडा की सांसद मारिया ने ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीति पर सवाल उठाए। कई उम्मीदवारों ने कहा है कि वे ट्रंप से अपना प्रचार करना नहीं चाहते।

रिपोर्ट के मुताबिक रिपब्लिकन उम्मीदवारों की बेचैनी के पीछे सबसे बड़ा कारण अर्थव्यवस्था है। 24 से 28 सितंबर के एपी-एनओआरसी सर्वे में केवल 17फीसदी अमेरिकियों ने कहा कि वे ट्रंप के जीवनयापन की लागत संभालने के तरीके से संतुष्ट हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रचलित रेटिंग सिर्फ 26फीसदी रही, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65फीसदी से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रंप की नीतियों को

जिम्मेदार मान रहे हैं। 64फीसदी का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रंप जरूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है कि वे महंगाई के खिलाफ प्रचार तो करना चाहें हैं, लेकिन व्हाइट हाउस में अपनी ही पार्टी के राष्ट्रपति की आर्थिक नीतियों से खुद को पूरी तरह अलग भी नहीं कर सकते।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप से दूरी बनाने वालों की सूची में गवर्नर पद पर लड़ रहे विस्कॉन्सिन के टायम टिफनी, एरिजोना के एलो क्रैन और जार्जिया के रिक जैक्सन जैसे नाम शामिल हैं। सांसदों से जुड़े चेहरों में जार्जिया की मार्जरी टेलर, केंटकी के जेम्स कोमर, ओहायो के जिम जार्डन और साउथ कैरोलिना की नेन्सी मेस है।

समुद्र में फ्रांस का परमाणु शक्ति प्रदर्शन! मैक्रों की मौजूदगी में उन्नत एम51.3 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

पेरिस। रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस ने मंगलवार को अपनी नई परमाणु-सक्षम मिसाइल एम51.3 का सफल परीक्षण किया। एम51.3 बैलिस्टिक मिसाइल को परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बी से दागा गया। इस दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद रहे। परीक्षण के दौरान मिसाइल में कोई परमाणु वारहेड नहीं लगाया गया था। फ्रांस ने परीक्षण को सफल बताया हुए कहा कि मिसाइल सभी निर्धारित मानकों पर खरी उतरी है। एम51.3 बैलिस्टिक मिसाइल पहले से ही सक्रिय सेवा में तैनात है।

फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एम51.3 बैलिस्टिक मिसाइल फ्रांस की एम51 मिसाइल का उन्नत संस्करण है। इसे 'ले विजिलेंट' पनडुब्बी से ब्रिटनी के तट से



दूर दागा गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल उत्तरी अटलांटिक में किसी भी तटरेखा से सैकड़ों किलोमीटर दूर जाकर गिरी। एक फ्रांसीसी अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति

इमैनुएल मैक्रों ने एक फ्रांसीसी युद्धपोत से इस परीक्षण की निगरानी की।

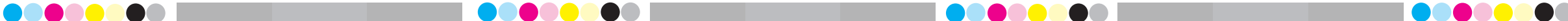
फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, यह प्रक्षेपण बिना परमाणु हथियार के और फ्रांस

की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का कड़ाई से पालन करते हुए किया गया था। मंत्रालय ने आगे कहा कि यह परीक्षण परमाणु प्रतिरोध के क्षेत्र में फ्रांसीसी उद्योग द्वारा अपनाए गए उच्च-तकनीकी समाधानों की उत्कृष्टता को एक बार फिर प्रदर्शित करता है।

एम51.3 फ्रांस की पनडुब्बी से दागी जाने वाली एक उन्नत परमाणु-सक्षम पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल है। इसे एरियनयुग ने फ्रांसीसी रक्षा खरीद एजेंसी के संरक्षण में विकसित किया है। इसकी अनुमानित मारक क्षमता 8,000 से 10,000 किलोमीटर के बीच है। इसमें नया समुद्री परमाणु वारहेड टीएनओ-2 लगाया गया है, जिसे फ्रांसीसी परमाणु ऊर्जा आयोग के सिमुलेशन कार्यक्रम के माध्यम से डिजाइन और प्रमाणित किया गया है।

सार्वजनिक स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एम51 मिसाइल का वजन 52,000 किलोग्राम, लंबाई 12.0 मीटर और व्यास 2.3 मीटर है। एम51 की परिचालन सीमा 8,000 से 10,000 किलोमीटर बताई गई है और इसकी गति मैक 25 है।

सितंबर 2025 में फ्रांसीसी रक्षा खरीद एजेंसी ने एरियनयुग को पनडुब्बी से दागी जाने वाली एम51 बैलिस्टिक मिसाइल के चौथे संस्करण, जिसे एम51.4 के नाम से जाना जाता है, के डिजाइन और उत्पादन का अनुबंध दिया था। एम51.4 की बढ़ी हुई मारक क्षमता, सटीकता और भेदन क्षमता उभरते खतरों के जवाब में फ्रांस की समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता की विश्वसनीयता को मजबूत करेगी।



आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बड़ो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता है . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज का स्थल पर सहकर्मियों से टकाव होने का खतरा है. धरेलू मोचों से निपटने के लिए संयमित रहने की जरूरत है। वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवकट्ट हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम बनता हुआ दिख रहा है रुका हुआ सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा , छात्रों के लिए समय अच्छा है इस समय में किया हुआ कार्य उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी, आप की जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. शिवालिंग पर केसर मिश्रित दूध चढ़ाएं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम में परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर चोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. विजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दायमज्यजीवन सुखमय है स्वास्थ का देखभाल करें।सामाजिक कार्य के कारण आप तरीक के पात्र होंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,खू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा बाद बिवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यों का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह नियोजन करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. विजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे काम को दृढ़ की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मु,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रवल है आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म यत्न यात्रा करनी होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

समय आज अनुकूल है आज आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आणेंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जावेंगे गाय को गेहूँ का घूसा खिलाएं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवालिंग पर दूध चढ़ाएं एवं पंचाश्र मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नज़र रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदद के मामले, दोस्त और रिश्तादार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रशिक्ष देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा धरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिसमें मन प्रसर होगा. आपको आपके के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करने की निश्चिन्ता।

धनु – ये,यो,म,मी,भू,धा,फा,बा,भे

आप का खोत बढ़ेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शांती या वच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शारीरिक कष्ट बनेगा।

मकर – मो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सैनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हुमानजी की सिन्दूर तेल चढ़ाएं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल है विजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पड़ेगा परिवार के साथ रुझा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को धंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहुकावे में न आएं. आय में निश्चिन्ता रहेगी. अपने स्वास्थ पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, शिव मंत्र का जप कर ईंट का स्मरण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 अक्टूबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 11:18 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 09:40 तक
योग : शुभ रात्रि 02:51 तक
करण : कोलव प्रातः 11:55 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:05 (बैलार)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:58 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 ,सूर्यास्त 05:52 (विजयवाड़ा)
शुभ घण्टीय
ताम्र : 06:00 से 07:30
अमृत् : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
शूल : 03:00 से 04:30
ताम्र : 04:30 से 06:00
शुक्ल : शेषरू 12:00 से 01:30
शिवरात्रि : उमा दिवस
उषार : तिहुँ छाकर यात्रा का आरंभ करें
दिव रात्रि : द्वादशी श्राद्ध , सन्यानी श्राद्ध, गणपूजा तिथि 09:40 तक
* पाण्डित्य विषय में संपर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भागवत कथा एवं मूल पारायण,
वास्तुशान्ति, गृहप्रेषण,शतचंडी, विवाह,
कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फ़काड़ का मन्दिर, रिकार्गंज,
हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निजामाबाद में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 11 को

समारोह में मुख्य अतिथि
बद्रीविशाल जी बंसल होंगे।

11 अक्टूबर को ध्वजारोहण, विराट सभा, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं सहभोज का आयोजन

10 अक्टूबर को अग्रसेन महिला मंडल की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताएं

अग्रसेन भवन में होगा दो दिवसीय आयोजन, समाज के पदाधिकारी व सदस्य तैयारियों में जुटे

निजामाबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन समिति, निजामाबाद के तत्वावधान में अग्रवंश के प्रवर्तक अग्रकुल शिरोमणि महाराजा श्री अग्रसेनजी की 5150वीं पावन जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

वे हैदराबाद अग्रवाल समाज के संस्थापक एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज आंध्रप्रदेश के भूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा लायंस जिला 320-डी के भूतपूर्व गवर्नर रह चुके हैं।

11 अक्टूबर को ध्वजारोहण और विराट सभा जयंती महोत्सव के तहत रविवार, 11 अक्टूबर को प्रातः 10:31 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती कांता सरावगी होंगी। इसके संयोजक अंकित सिंघल एवं सौरभ बंसल हैं। आयोजकों के अनुसार ध्वजारोहण कार्यक्रम में अल्पाहार की व्यवस्था भी रहेगी। इसी दिन शाम 6:15 बजे से विराट सभा आयोजित होगी। इसके मुख्य अतिथि श्री बद्रीविशालजी बंसल होंगे। कार्यक्रम के संयोजक द्वारकादास अग्रवाल तथा मंच संचालक डॉ. अंकित अग्रवाल एवं ईशान अग्रवाल होंगे। विराट सभा के आरंभ में 3 से 7 वर्ष तथा 8 से 12 वर्ष के बालक-बालिकाओं के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके संयोजक आदित्य गर्ग एवं तरुण अग्रवाल हैं। विराट सभा के समापन के पश्चात सहभोज का आयोजन होगा, जिसके संयोजक विनोदकुमार अग्रवाल एवं श्यामसुन्दर अग्रवाल हैं। महिला मंडल की 10 को विभिन्न प्रतियोगिताएं शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे से श्री अग्रसेन महिला मंडल, निजामाबाद की ओर से अग्रसेन भवन में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं खेलों का आयोजन किया जाएगा। इनमें नर्सरी से पीपी-2 कक्षा तक के बच्चों के लिए लकी खेल, जिसकी संयोजिका कांता सरावगी एवं हीरल अग्रवाल हैं। पहली से तीसरी कक्षा के लिए स्ट्रॉ पिकर खेल, जिसकी संयोजिका नीना गुप्ता एवं सरिता प्रवीण अग्रवाल हैं। चौथी से सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए सैक रेस, जिसकी संयोजिका शीतल अग्रवाल एवं गौरी अग्रवाल हैं। आठवीं एवं नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मस्तिष्क एकाग्रता गतिविधि, जिसकी संयोजिका निधि मुनीष बंसल एवं दिव्या गुप्ता हैं। दसवीं कक्षा एवं बहूओं के लिए स्ट्रॉ खेल, जिसकी संयोजिका शैल गुप्ता एवं सुधा भित्तल हैं। वहीं केवल सासुओं के लिए धागा रील खेल आयोजित किया जाएगा, जिसकी संयोजिका रेखा सिंघल एवं संगीता अग्रवाल हैं। सभी कार्यक्रम श्री अग्रसेन भवन, महाराजा अग्रसेन मार्ग (मिर्ची कंपाउंड), निजामाबाद में आयोजित होंगे। समिति की ओर से समाज के लोगों से जयंती महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की गई है।

आंगनवाड़ी शिक्षकों व बालमाताओं का अभिनंदन

मदनूर, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा के तत्वावधान में पेढा शक़रगा मंडल केंद्र एवं गांवों में आंगनवाड़ी शिक्षकों और बालमाताओं के सम्मान में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल केंद्र में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के शिक्षकों का सम्मान किया गया। वहीं पेढा शक़रगा गांव में दो आंगनवाड़ी केंद्रों के शिक्षकों एवं बालमाताओं का ग्राम वरिष्ठ रमेश देसाई और बूथ अध्यक्षों ने अभिनंदन किया। कार्यक्रमों में भाजपा मंडल अध्यक्ष थेप्पा थुकाराम, बूथ अध्यक्ष, सरपंच, कार्यसूच, पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आंगनवाड़ी शिक्षकों और बालमाताओं ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए भाजपा नेताओं का आभार जताया।

पत्नी के मायके से नहीं लौटने पर युवक ने कीटनाशक पीकर दी जान

बांसवाड़ा, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ताडुकोल निवासी 38 वर्षीय कदमांची रमेश ने पत्नी के मायके से वापस नहीं लौटने से परेशान होकर कीटनाशक पी लिया। पारिवारिक विवाद के चलते उसकी पत्नी करीब चार माह से मायके में रह रही थी। 3 अक्टूबर को कीटनाशक पीने के बाद परिजनों ने उसे बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए निजामाबाद सरकारी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान 5 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे रमेश की मौत हो गई। स्टेशन हाउस ऑफिसर के अनुसार, मृतक के भाई कदमांची चारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सरकारी स्कूल को पार्षद ने भेंट किया ध्वनि यंत्र

पेदापल्ली, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 18वें वार्ड के पार्षद कोलीपाका संपथ ने तेनुगुवाड़ा सरकारी स्कूल को ध्वनि यंत्र भेंट किया। इसका उपयोग प्रार्थना, सभाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य विद्यालयीन आयोजनों में किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद संपथ ने कहा कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के विकास में हरसंभव सहयोग जारी रखेंगे। प्रधानाचार्या श्रीलता ने ध्वनि यंत्र भेंट करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी पार्षद का धन्यवाद किया।कार्यक्रम में मत्स्य पालन विभाग के अध्यक्ष कोलीपाका नरसय्या, गंगुला सतीश, भूतगड्डा तिरुपति, वेलपुला राजेशम, मौतम शंकर, असालु, वेलपुला संतोष, गंगुला संतोष, कोलीपाका रामू, कोलीपाका गंगाराजू सहित अन्य उपस्थित रहे।

पेदापल्ली जिला अस्पताल में दुर्लभ जन्मजात घुटने की समस्या का सफल उपचार

पेदापल्ली, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेदापल्ली जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने पलकुर्थी मंडल के जीडी नगर निवासी गीता की नवजात बच्ची में पाई गई दुर्लभ जन्मजात घुटने की समस्या का सफल उपचार किया। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, जन्मजात घुटना विस्थापन (जेनु रिकर्वेटम कंजेनिटम) की यह समस्या करीब एक लाख में एक व्यक्ति में पाई जाती है।जन्म के तुरंत बाद बाल रोग एवं अस्थि रोग विशेषज्ञों ने जांच कर उपचार शुरू किया। डीएचएस डॉ. श्रीधर के मार्गदर्शन में दोनों विभागों के समन्वय से बच्ची का सफल उपचार किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की स्थिति अब संतो-षजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसी जन्मजात समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार से भविष्य में घुटनों की गति तथा चलने-फिरने संबंधी परेशानियों से बचा जा सकता है।

आरडीओ ने भूमि विवाद व पुनर्वर्षेक्षण का निरीक्षण किया

मदनूर, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आरडीओ रविंदर रेड्डी ने मंगलवार को मदनूर मंडल का दौरा कर बंदोबस्ती-राजस्व भूमि संबंधी मुद्दों की समीक्षा की तथा सोमुर गांव में चल रहे पुनर्वर्षेक्षण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मदनूर मंडल केंद्र और कोटचिरा गांव में भूमि विवाद से संबंधित अभिलेखों, सीमाओं एवं अतिर्रक्रमण की जानकारी अधिकारियों से ली और संबंधित विभागों के समन्वय से समस्या का समाधान कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सोमुर में आरडीओ ने ग्रामीणों एवं किसानों से बातचीत कर सर्वेक्षण प्रक्रिया में आ रही कठिनाइयों और सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने सर्वेक्षण कर्मचारियों को पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पट्टाधारक की भूमि की सही सीमाएं निर्धारित करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार एम.डी. मुजीब, मंडल गिरदावर मुलीधर, सर्वेयर वेंकट सहित बंदोबस्ती एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बोहिनी दर्शन को भाजपा नेताओं ने दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कारवान निर्वाचन क्षेत्र के जियागुड़ा मंडल स्थित भाजपा विकास कार्यालय में पूर्व पार्षद बोहिनी दर्शन का जन्मदिन मनाया गया। भाजपा वरिष्ठ नेता मधिरा सत्यनारायण, श्रीनाथ गौड़ और टीडीपी नेता कालेरू नरसिंग राव ने पुष्पमाला व शॉल भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोगों ने भी दर्शन का सम्मान किया। मधिरा सत्यनारायण ने पार्षद रहते हुए जियागुड़ा में जल निकासी, सीसी सड़क और मच्छर नियंत्रण सहित किए गए विकास कार्यों की सराहना की।

श्रीब्रह्मर्षि आश्रम ने 200 जरूरतमंदों को लगाए निःशुल्क कृत्रिम पैर

कोलकाता, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईश्वरीय सत्ता से विभूषित परम पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन तथा श्रीब्रह्मर्षि आश्रम-कोलकाता केंद्र की ओर से जोका स्थित महावीर सेवा सदन में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 200 जरूरतमंद भाई-बहनों को निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाए गए। कार्यक्रम में गुरुदेव की प्रति

श्रद्धा रखने वाले 70 से अधिक गुरुभक्त एवं सेवाभावी लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों के रूप में समाजसेवी पन्नालाल कोचर, महेंद्र बछावत, संजय कोठारी एवं जितेंद्र मेहता का महावीर सेवा सदन के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। श्रीब्रह्मर्षि आश्रम-कोलकाता केंद्र की महिला अध्यक्ष सुनीता राखेचा ने महावीर सेवा सदन के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित लोगों को तिरुपति आश्रम की

लोककल्याणकारी गतिविधियों तथा गुरुदेव के आध्यात्म एवं दर्शन की जानकारी दी। मुख्य अतिथि पन्नालाल कोचर ने भी सदन की प्रगति की सराहना करते हुए अपने जीवन में गुरुदेव की कृपा एवं चमत्कारों से जुड़े अनुभव साझा किए। महावीर सेवा सदन के जे.एस. मेहता ने कहा कि ये कृत्रिम पैर केवल 200 व्यक्तियों को नहीं, बल्कि 200 परिवारों को मिले हैं। जो व्यक्ति कल तक परिवार पर निर्भर था, वह

से सामान लाकर एकजुट होकर जरूरतमंद कन्या का कन्यादान किया। इस पुनीत कार्य के लिए कन्या एवं उसके परिवारजनों ने सेवा परमो धर्म संस्था के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है के भाव के साथ सेवा परमो धर्म संस्था निरंतर जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर है।

सेवा परमो धर्म संस्था ने जरूरतमंद कन्या का किया कन्यादान

संस्था के 25 सदस्यों ने मिलकर विवाह एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री भेंट की

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा रानीगंज स्थित राम मंदिर में एक जरूरतमंद कन्या के विवाह के अवसर पर कन्यादान का पुनीत कार्य किया गया। संस्था के सदस्यों ने अपने-अपने घरों से आवश्यक सामग्री लाकर कन्या को विवाह एवं गृहस्थ जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुएं भेंट कीं।इस अवसर पर कन्या को

साड़ी, सूटकेस, बेडशीट, श्रृंगार सामग्री, आभूषण एवं अन्य आवश्यक सामान, बर्तन, विद्युत उपकरण तथा दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली विभिन्न वस्तुएं प्रदान की गईं। इसके साथ ही संस्था के सदस्यों ने कन्या को 1100 रुपये की नकद राशि का लिफाफा भी भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान कन्या को माला पहनाकर, कुमकुम का तिलक लगाकर तथा आभूषणों से सजाकर आशीर्वाद दिया गया।

इस अवसर पर पारंपरिक विवाह गीत भी गाए गए, जिससे पूरे कार्यक्रम में पारिवारिक एवं मंगलमय वातावरण बना रहा।

इस सेवा कार्य में संस्था के लाभग्रा 25 सदस्यों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। सभी सदस्यों ने अपने-अपने घरों

से सामान लाकर एकजुट होकर जरूरतमंद कन्या का कन्यादान किया। इस पुनीत कार्य के लिए कन्या एवं उसके परिवारजनों ने सेवा परमो धर्म संस्था के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है के भाव के साथ सेवा परमो धर्म संस्था निरंतर जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर है।

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है



दीपस्वंध-समान होते हैं । वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं ।

यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पड़े, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पड़ेगा । हम जीवन में आगे नहीं बढ़ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पड़ें । जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्व के विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है ।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है । अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं । एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है । आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेन्द्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं । गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं । आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं । जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंतर्गत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं । ईश्वर के ये विविध अंग ब्रह्मांड में विशिष्ट कार्य करते हैं । जिस प्रकार किसी सरकार के

अंतर्गत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं । इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं । यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है । इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोड़ता है । गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात् ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढ़ता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं । ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्वपूर्ण हैं । जिनमें आध्यात्मिक ऊर्जा की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है । गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है । इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और र के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है । र शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटता) है । संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं ।

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है



प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे प र्माथ के महानद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। 'लोकधर्म' ही 'प्रेमधर्म' है। शिवलिंग में शिव को मत देखें। प्रेम के रस में पगी भक्ति की नजर से देखने पर ही सर्वत्र शिव की छवि दिखाई देती है।

प्रेम ऊपर चढ़े तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। परमात्मा को धर्मालयों में बंद मत करें। आखिर सभी के हृदय में प्रेम की ही ज्योति दीप्तिमान है। एक समान भाव ही प्रेम का धर्म है, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति प्रेम के आनंद में होती है। यही प्रेम असीम-ससीम का, निर्गुण-सगुण का, शक्ति-सौंदर्य का और रूप-रस का मंजुल समन्वय है।

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है



रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी

प्रेम निश्चल होना चाहिए। वह चाहे संसारी प्रेम हो या परमात्मी। 'अनासक्ति' ही प्रेम का धर्म है, जहां प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम में केवल देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम करते समय यह अहंकार भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम को तिजारत न बनने दें।

ध्यान रहे कि फूल खिलता है दूसरों को आनंद देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। एक आप हो कि बिना मतलब के प्रेम करना ही नहीं जानते। प्रेम आकर्षण है और द्वेष विकर्षण। प्रेम आनंद है और द्वेष दुख। प्रेम अद्वैत है और द्वेष द्वैत। प्रेम सहकार है और द्वेष

संघर्ष है। रुद्राक्ष से रोगों का उपचार करने के तरीके हमारे धर्मग्रंथों और चिकित्सा आधारित ग्रंथों में उल्लेखित हैं। उन्हीं में से कुछ उपाय यहां दिए जा रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। हालांकि इसके साथ चिकित्सकीय जांच भी जरूर करवाते रहें। चारमुखी रुद्राक्ष को दूध में उबालकर सुबह खाली पेट पीने से स्मरण शक्ति तेज होती है। सोमवार के दिन त्रिशूल के आकार का लांकट धारण करने से बुद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। यदि आपके आमामशय में किसी तरह का विकार हो तो तांबे के किसी

पात्र में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुनः यह करें। जब तक रोग ठीक न हो करेते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेसर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हृदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

संत अपने लिए नहीं जीता

संतों को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वह अपनी साधना से प्रकृति में फैली ऊर्जा का संग्रह करता है। अपनी इस संग्रहित ऊर्जा से अपने भक्तों का कल्याण करता है। इसलिए संतों के संपर्क में रहने वाला व्यक्ति स्वस्थ और शांत रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि दुष्ट वृत्ति वाला मनुष्य भी संतों के संपर्क में रहे तो वह उदार आचरण वाला बन जाता है। इसीलिए संतों के संपर्क में रहने वाला, उनका आशीर्वाद ग्रहण करने वाला दीर्घायु और स्वस्थ रहता है। संतों को इसीलिए पूजा जाता है कि वे इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अपनी ऊर्जा से निरंतर दूसरों को जीवनी शक्ति प्रदान करते रहते हैं।

वे राग, द्वेष से ऊपर होते हैं। इसीलिए समाज में लोग संतों को आदर देते हैं और गुरु रूप में संत की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि संत अपने लिए नहीं जीता। उसका अपना कुछ होता ही नहीं, उसका सब कुछ समाज का होता है। वह न अपने सुख से सुखी होता है और न अपने दुख से दुखी होता है। कहते हैं कि संत का हृदय तो मक्खन से भी अधिक कोमल होता है। वह दूसरे के दुख से भी दुखी हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसका न तो अपना दुख होता

है और न सुख होता है। उसका 'स्वयं' विसर्जित होकर 'पर' बन जाता है इसलिए समाज में संतों को सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। देव **ऊर्जा का अर्थ है-** दिव्य आत्माओं के संपर्क में रहकर ऊर्जा ग्रहण करना। देवता का अर्थ है, जो दिव्य हो, जिसमें अनंत दिव्यता हो, उन्हीं दिव्य आत्माओं को भगवान कहते हैं। भगवान का अर्थ है-भगवान। भग में ऐश्वर्य, यश, श्री, आयु, ज्ञान, वैराग्य और सौभाग्य रहता है। इतने गुण जिनमें हों, उसे भगवान कहते हैं। इसीलिए हम इन दिव्य आत्माओं की पूजा करते हैं ताकि उनकी दिव्यता की ऊर्जा हमें प्राप्त हो।

इनकी यही दिव्यता आशीर्वाद रूप में हमें प्राप्त होती है। इसी दिव्यता शब्द से देवता बना है। जो संपूर्ण रूप से दिव्य हो। इसी कारण हम उनकी ऊर्जा ग्रहण करते हैं। उनकी ऊर्जा जब हमारे शरीर में प्रवेश करती है, तो हमारे शरीर की जड़ता मूलक ऊर्जा दिव्य ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। मंदिरों में बैठकर ही हम उसी दिव्य ऊर्जा को धारण करते हैं। देवता, मंदिर की मूर्ति और गुरु इन तीनों से ऊर्जा ग्रहण करने का विधान है।

क्या है आध्यात्मिकता

लोग आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन मानते हैं। लोगों में भ्रामक धारणा है कि आध्यात्मिक जीवन में आनंद लेना वज्रित है और कष्ट झेलना जरूरी है।

जबकि सच्चाई यह है कि आध्यात्मिक होने के लिए आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या मत से कोई संबंध नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिक होने का मतलब है, भौतिकता से परे जीवन का अनुभव कर पाना। अगर आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और

पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद की स्थिति का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं।

आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं ही अपने आनंद का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता मंदिर, मस्जिद या चर्च में नहीं, बल्कि आपके अंदर ही घटित हो सकती है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। यह उनके लिए है, जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवन्ता के साथ जीना चाहते हैं। अस्तित्व में एकात्मकता व एकरूपता है और हर ईसान अपने आप में अनूत है। इसे पहचानना और इसका आनंद लेना आध्यात्मिकता का सार है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है, चाहे वह काम झाड़ू लगाना ही क्यों न हो। किसी भी चीज को गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गों को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोड़कर खड़ी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोड़ा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वोत्तम कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और



बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड़ जाते हैं या मर जाते हैं।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विश्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियां भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अधविश्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पांच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विश्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरना: सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफ्टेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबराते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित: व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति

होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पड़ने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस: कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिंक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंप्यूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि



चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंग: इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग विश्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फ इतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ

सेंस की प्रमाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभव: जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरता है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अधविश्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों को बताने से डरते हैं। अध्यात्म से जुड़े लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।

एक बॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमा पिंज डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्पाउटस डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। शिमा पिंज और हरी प्याज के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसे।

मीडियाटेक ने डायमेन्सिटी 9600 प्रो के साथ स्मार्टफोन चिप में नया मानक स्थापित किया



नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैश्विक फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने दिल्ली में आयोजित 'मीडियाटेक टेक डे' में डायमेन्सिटी 9600 प्रो चिपसेट का अनावरण किया। उन्नत 2 नैनोमीटर प्रक्रिया पर आधारित यह चिपसेट कृत्रिम बुद्धिमत्ता, गेमिंग, इमेजिंग और कंप्यूटिंग में बेहतर प्रदर्शन के साथ ऊर्जा दक्षता प्रदान करता है।

कंपनी के अनुसार, डायमेन्सिटी 9600 प्रो में नया नेटिव एआई आर्किटेक्चर दिया गया है, जो स्मार्टफोन में एंजेंटिक एआई के नए अनुभव उपलब्ध

कराएगा। इसमें बहु-कोर ऊर्जा खपत में 61 प्रतिशत तक कमी का दावा किया गया है।

कार्यक्रम में मीडियाटेक की डायमेन्सिटी 7500, 8500 और अन्य चिपसेट श्रृंखलाओं की क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर ओप्पो, सैमसंग, शियाओमी, वीवो, रीयलमी, नर्थिंग, वनप्लस, टेक्नो,

इनफिनिक्स, मोटोरोला और आईक्यूओओ सहित प्रमुख स्मार्टफोन कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मीडियाटेक के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि डायमेन्सिटी 9600 प्रो बेहतर प्रदर्शन, ऊर्जा दक्षता और उपकरण में ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताओं के माध्यम से स्मार्टफोन के अनुभव को नई दिशा देगा। कंपनी के अनुसार, ओप्पो फाईड एक्स10 प्रो मैक्स भारत का पहला स्मार्टफोन होगा, जिसमें डायमेन्सिटी 9600 प्रो प्रोसेसर दिया जाएगा।

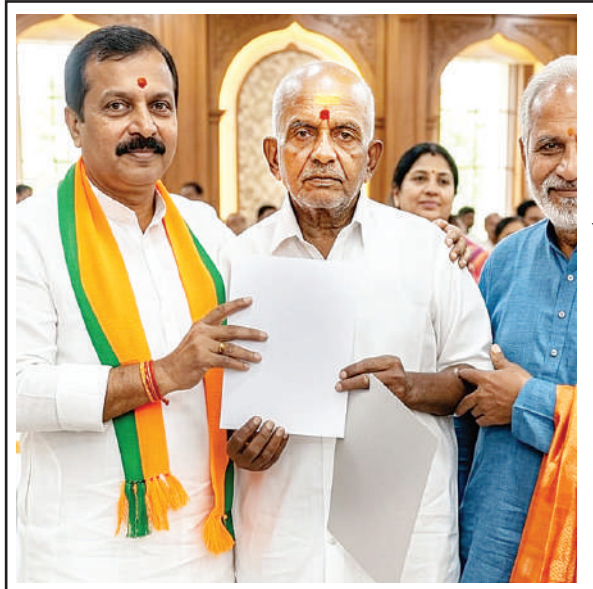
भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश

पेढापल्ली, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने जिले में विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित लंबित भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। एकिकृत जिला कार्यालय परिसर में वन, सिंचाई और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने धर्मागरा मंडल के कनमपल्ली चेरु की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूरा करने को



कहा। उन्होंने पेढापल्ली बाईपास सड़क के लिए भूमि देने वाले किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा

विकास कार्यों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सहयोग लेने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को कानून के अनुसार उचित मुआवजा सुनिश्चित करने और भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान व अन्य लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा कर निर्धारित समयसीमा में प्रक्रिया पूरी करने को कहा। बैठक में आरडीओ बी. गंगायाह, तहसीलदार राजैया सहित वन, सिंचाई और राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।



श्री गोपी किशन उपाध्याय जी को रामगोपालपेट जिला प्रभारी नियुक्त किए जाने पर पूर्व उपमहापौर एवं भाजपा स्टेट कन्वीनर श्री सुभाष चंद्र जी द्वारा सम्मानित किया गया।
भाजपा सिक्ंदराबाद-महांकाली जिला वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के सह-कन्वीनर श्री गोपी किशन उपाध्याय जी को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

राहुल...

आखिरकार राहुल गांधी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ अंदर चले गए। दोपहर करीब 12:30 बजे प्रियंका गांधी बस से उतरीं, गेट की ओर गई और अपने भाई के साथ प्रदर्शन में शामिल हो गईं। दोनों गेट नंबर 4 के पास एक बरगद के पेड़ के नीचे बैठ गए। इस दौरान ब्रॉडकास्टिंग हाउस के कर्मचारी बाहर हो रहे घटनाक्रम को देखने के लिए बाहर आ गए।सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने से पहले कई लोगों ने राहुल गांधी के साथ सेल्फी ली। कुछ लोग घटनाक्रम देखने के लिए इमारत की छत पर भी चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें नीचे आने के लिए कहा। बाहर कांग्रेस नेता रिसेप्शन गेट पर जमा होने लगे और राहुल गांधी से अंदर मिलने की कोशिश करने लगे।

लेकिन आकाशवाणी भवन के गेट पर पुलिस का सख्त पहरा था। दोपहर करीब 12:45 बजे पार्टी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और राज्यसभा सांसद पवन खेंडा गेट पर पहुंचे और अंदर जाने की अनुमति मांगी। नई दिल्ली के पुलिस उपयुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा मौके पर पहुंचे और नेताओं से बातचीत की, जिसके बाद वे अंदर चले गए। कांग्रेस सांसद प्रणीत शिंदे, दीपेंद्र हुड्डा और चरणजीत सिंह चन्नी तथा सेवा दल के प्रमुख श्रीनिवास बी.वी. भी वहां मौजूद थे। गांधी के स्टाफ सदस्य अलंकार सवाई और श्रीवत्सा भी अंदर थे।

इधर, जॉन ब्रिटान समेत कई सांसद हिरासत से रिहा होने के बाद विरोध प्रदर्शन वाली जगह पर लौट आए। जिन नेताओं को बसों में ले जाया गया था, वे भी वापस आ गए। आकाशवाणी भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की भीड़ जमा रही। तब तक राहुल गांधी ने बरगद के पेड़ के नीचे प्रदर्शन का पक्का प्लान बना लिया था। दोपहर तक पेड़ के नीचे जमीन पर मैट बिछाए गए, फिर गद्दे मंगाए गए और राहुल गांधी की मंडली वहीं बैठ गई। राहुल गांधी ज्यादातर समय बैठे रहे, जबकि प्रियंका गांधी पुलिस से बातचीत करती रहीं।

राहुल बोले- यह देशद्रोह है

राहुल गांधी ने कहा, मुझे परवाह नहीं कि भाजपा क्या कहती हैं। मैं यहां लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ा हूं।

गांधी ने आरोप लगाया, देश के साथ जो किया गया है, वह देशद्रोह है। चाहे प्रधानमंत्री मोदी हों, शाह हों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख हों या ज्ञानेश कुमार, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

दो घंटे बाद गांधी ने फिर पत्रकारों से बात की और स्पष्ट किया कि जब तक चुनाव आयोग 'ईडिया' गठबंधन के सभी सांसदों के साथ बैठक करने का वादा नहीं करता, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे। इधर, चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल की ओर से बैठक के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली कि कुछ सांसद अपने प्रतिनिधिमंडल के जानकारियों से मिलना चाहते हैं। मंगलवार के घटनाक्रम के संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया कि मंगलवार शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से निर्वाचन आयोग से बैठक के लिए समय नहीं मांगा था। इसके बाद शाम करीब 4 बजे दिल्ली पुलिस

सेवा ही सच्चा धर्म, अन्नसेवा से मानवता का संदेश : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को समाज में मजबूत करने के उद्देश्य से हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं उपस्थित लोगों को अन्नसेवा प्रदान की गई। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए सेवा को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और मानवता की सेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान की पूजा केवल मंदिर में जाकर दीप प्रज्वलित करने तक सीमित नहीं है। जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराया जाता है, किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है और किसी असहाय व्यक्ति को सहाय मिलता है, तब वही कार्य सच्ची ईश्वर आराधना बन जाता



है। जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नसेवा भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का हिस्सा है, जिसमें 'अन्न ही जीवन है' की भावना को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसके पेट की भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके आत्मसम्मान का भी सम्मान करना है। सेवा करते समय यह भावना होनी चाहिए कि हम किसी पर उपकार नहीं कर रहे, बल्कि समाज और मानवता के प्रति अपना दायित्व निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों

के पीछे किसी प्रकार का दिखावा या व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा की भावना है। संस्था का प्रयास है कि सेवा का यह क्रम निरंतर चलता रहे और अधिक से अधिक लोग इससे प्रेरणा लेकर समाजसेवा के कार्यों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि जब सेवा के लिए अनेक हाथ एक साथ आगे बढ़ते हैं तो जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का दायरा भी लगातार बढ़ता जाता है। जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा में जाति, धर्म, भाषा अथवा आर्थिक स्थिति का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। जरूरतमंद की पहचान

केवल उसकी जरूरत है। मानवता का यही मूल संदेश है और इसी भावना को राधे-राधे ग्रुप अपने सेवा कार्यों के माध्यम से समाज तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में यदि सक्षम व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएंगे तो अनेक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम में दीप चंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग किया और मानवता की सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है, जब उसमें निरंतरता, निस्वार्थता और अपनत्व हो। इसी भावना के साथ नियमित अन्नसेवा का यह क्रम आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया गया।

आचार्य वल्लभसूरीश्वरजी ने शिक्षा की अलख जगाई : आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी

बेंगलूर, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री महावीर जैन शिक्षण संघ द्वारा संचालित बीबीयूल जैन विद्यालय में आचार्य श्रीमद् विजय वल्लभ सूरीश्वरजी महाराज की 72वीं पुण्यतिथि 'गुरु गुण स्मरणोत्सव' के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम वल्लभ समुदाय के गच्छाधिपति पद्मश्री



आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी के सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्री एवं संतों का विद्यालय पहुंचने पर संघ के अध्यक्ष चंपालाल भंडारी, सचिव चंपालाल जैन सहित ट्रस्ट मंडल ने स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने मार्च पास्ट एवं बैंड के साथ अगवानी की। गुरु प्रतिमा के समक्ष वंदना, मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन

के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने आचार्य वल्लभसूरीश्वरजी के शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान को स्मरण करते हुए बताया कि उनके प्रयासों से देशभर में अनेक शिक्षण संस्थानों एवं विक्तिसाल्यों को संबल मिला। विभिन्न वक्ताओं ने उनके धर्म, सद्भाव, करुणा, शिक्षा एवं सेवा कार्यों को याद किया।

आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी ने कहा कि वल्लभ गुरु ने आत्मशक्ति के बल पर देश के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों शिक्षण संस्थान स्थापित करवाकर शिक्षा की गंगा बहाई। कार्यक्रम में मुनि मोक्षानंदविजयजी म.सा. सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया और आभार व्यक्त किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

से सूचना मिली कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिलना चाहता है और ज्ञापन सौंपना चाहता है। चुनाव आयोग ने कहा कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से तय किए गए समय पर ही मुलाकात होगी।

अवैध फार्म-7 ...

पुलिस ने बालाचंद्र के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 और 318(2) तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फॉर्म तैयार करने, जमा करने तथा इसमें अन्य लोगों की संभावित भूमिका की भी जांच की जा रही है।

फर्जी फॉर्म-7 भरने वालों पर कार्रवाई के निर्देश
तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने 5 अक्टूबर को जिला कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया था कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी या घोषणा देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। अधिकारियों के संज्ञान में फॉर्म-7 के कथित रूप से बड़े पैमाने पर और संदिग्ध तरीके से जमा किए जाने के मामले आए थे। फॉर्म-7 का इस्तेमाल मतदाता सूची में दर्ज किसी नाम को हटाने के संबंध में आपत्ति दर्ज करने के लिए किया जाता है। निर्वाचन अधिकारियों ने कहा है कि ऐसे आवेदनों की जांच और क्षेत्रीय सत्यापन के बाद ही नाम हटाने की कार्रवाई की जाती है।

ओवैसी ने गोशामहल में भी लगाए आरोप
एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में भी मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कथित रूप से फर्जी फॉर्म-7 जमा किए गए। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से ऐसे मामलों में कार्रवाई करने और मुस्लिम मतदाताओं के खिलाफ नफरत फैलाने वालों को नहीं बख्शने की मांग की।

भाजपा ने आरोपों से किया इनकार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मतदाताओं के नाम हटाने के लिए पार्टी की ओर से किसी अभियान या प्रयास से इनकार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। भाजपा का कहना है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया राज्य सरकार और निर्वाचन तंत्र के माध्यम से नियमों के अनुसार संचालित हो रही है।

दलबदल...

फैसला कानून सही था। शिंदे गुट ने कहा कि उसके पास पार्टी के अधिकतर निर्वाचित विधायक और सांसद हैं। उसके 55 में से 40 विधायक तथा 18 में से 13 सांसद उसके साथ हैं। गुट का कहना है कि यह स्थिति साबित करती है कि वही वास्तविक शिवसेना है। शिंदे गुट की ओर से यह भी कहा गया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुच्छेद 2(1)(क) के तहत अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करते समय विधानसभा अध्यक्ष को पहले यह तय करना पड़ सकता है कि विरोधी गुटों में से राजनीतिक दल कौन है।

वकील ने कहा कि चुनाव चिह्न उस गुट को दिया जाना

चाहिए, जो यह साबित करे कि वही वास्तविक राजनीतिक दल है। यदि कोई भी गुट यह दावा साबित नहीं कर पाता है, तो स्थिति अलग होगी। शिंदे गुट पहले भी यह दलील देता रहा है कि विधायी बहुमत को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उद्धव गुट की याचिकाओं में स्वीकार और चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती
मुख्य याचिका उद्धव ठाकरे गुट के सुनील प्रभु ने दायर की है। इसमें महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के 10 जनवरी 2024 के फैसले को चुनौती दी गई है। अध्यक्ष ने संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था। उद्धव ठाकरे की ओर से दायर एक अन्य याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें एकनाथ शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना माना गया था। इसी फैसले के तहत शिंदे गुट को पार्टी का धनुष-बाण चुनाव चिह्न भी दिया गया था।

हसीना...

जाहिद ने कहा कि फिलहाल सुलह के लिए जरूरी परिस्थितियां और शर्तें पूरी तरह मौजूद नहीं हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि अवाामी लीग के नेतृत्व ने अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अब तक कोई पश्चाताप नहीं जताया है। उनका संकेत वर्ष 2024 में हुए बड़े पैमाने के सकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान तत्कालीन अवाामी लीग सरकार द्वारा किए गए दमन की ओर था। उन्होंने कहा कि किसी भी सुलह प्रक्रिया के लिए संबंधित पक्ष को अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी और अपने कथित पर पश्चाताप व्यक्त करना होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गलतियों को स्वीकार करना आपराधिक जिम्मेदारी या कानूनी कार्रवाई से छूट का आधार नहीं होगा।

प्रदर्शनों के बाद गिर गई थी हसीना सरकार
बता दें कि वर्ष 2024 में हुए बड़े पैमाने के प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद शेख हसीना देश छोड़कर भारत चली गई थीं। इसके बाद मोहम्मद युनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने देश की कमान संभाली थी। अंतरिम प्रशासन और बाद में बनी सरकार की ओर से लगातार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की जाती रही है।वर्ष 2026 में बांग्लादेश में हुए आम चुनाव के बाद तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने। उनकी सरकार में अवाामी लीग की राजनीतिक स्थिति को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई है।

पहले दिया था अलग बयान
इससे पहले 23 जून को एक पत्रकार वार्ता में जाहिद उर रहमान ने कहा था कि अवाामी लीग की वापसी के लिए लोगों की याददाश्त मिटानी होगी। उन्होंने कहा था कि लोगों को भूलने की बीमारी (डिमेंशिया) का शिकार होना पड़ेगा, तभी उनकी वापसी संभव हो सकती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री तारिक रहमान और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक महासचिव रहुल कबीर रिजवी भी पहले कई बार कह चुके हैं कि अवाामी लीग ने स्वयं को इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया है।

प्रेमानंद...

उनके कपड़ों पर खून के निशान भी नजर आते हैं। इसके बाद वह करीब 15 से 20 मिनट तक छत पर रहते हैं। फिर वही फुटेज सामने आता है, जिसमें वह छत के किनारे बैठे, लेटे और अंत में नीचे कूदते दिखाई देते हैं। चौथे सीसीटीवी फुटेज में दीपक तेलरी से अपने कमरे की ओर जाते दिखाई देते हैं। यह फुटेज घटना के करीब 10 दिन बाद सामने आया।

आत्महत्या से पहले खुद को गंभीर चोट पहुंचाने की वजह अब भी अमसुलझी
पोस्टमॉर्टम में दीपक के निजी अंग पर गंभीर चोट पाई गई। चोट के कारण काफी खून बहने की बात सामने आई है। पुलिस को हॉस्टल से एक ग्राइंडर भी मिला है। माना जा रहा है कि दीपक ने इसी उपकरण से खुद को चोट पहुंचाई थी। लेकिन उन्होंने ऐसा क्यों किया, इसका जवाब अब तक नहीं मिला है।

क्या इसके पीछे हॉस्टल में हुई कोई घटना थी या इसकी वजह कुछ और थी? पुलिस ने उनके साथ रहने वाले व्यक्ति समेत हॉस्टल में मौजूद अन्य लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन इस सवाल का जवाब सामने नहीं आ सका।

ब्रह्मचर्य से जुड़ा सवाल भी उठा
प्रेमानंद महाराज अपने प्रवचनों में ब्रह्मचर्य का पालन करने की बात कहते हैं। यह बात संन्यासियों के साथ गृहस्थों के लिए भी कही जाती है। इसी को देखते हुए यह सवाल भी उठाया गया कि क्या दीपक ने ब्रह्मचर्य को लेकर कोई गलत समझ बना ली थी? क्या इसका पालन नहीं कर पाने की वजह से वह किसी तरह की आत्मग्लानि में थे? इस संबंध में प्रेमानंद महाराज से जुड़े केली आश्रम के एक साधु से भी सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि दीपक ने ऐसा क्यों किया, इसका जवाब मथुरा पुलिस ही दे सकती है।

प्रेमानंद महाराज से जोड़कर चल रही खबरों पर आश्रम ने क्या कहा?

दीपक की मौत के बाद प्रेमानंद महाराज को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आने लगीं। हालांकि, जिस हॉस्टल से दीपक ने छलांग लगाई, वहां प्रेमानंद महाराज नहीं रहते। वह हॉस्टल से कई किलोमीटर दूर रहते हैं। इस हॉस्टल में कुछ साधक रहते हैं, जो बिजली का काम करते हैं। दीपक की उन्हीं में से एक थे।मौत के बाद फैली खबरों से प्रेमानंद महाराज के कुछ भक्त नाराज हैं। हॉस्टल के पास रहने वाले मोनू कुमार का कहना है कि कुछ लोग प्रेमानंद महाराज की बढ़ती प्रसिद्धि से परेशान हैं। उनका आरोप है कि महाराज को लेकर ऐसी बातें फैलाई जा रही हैं, जिन्से हिंदू धर्म को बदनाम किया जा रहा है। पत्रकारों की टीम केली आश्रम के मुख्यालय भी पहुंची। वहां देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवक-युवतियां साधना में जुटे थे और प्रेमानंद महाराज से दीक्षा लेने का इंतजार कर रहे थे। आश्रम से जुड़े एक शिष्य ने दीपक की मौत को महाराज से जोड़ने वाली बातों को बेबुनियाद बताया। उनका कहना था कि दीपक की मौत दुखद है, लेकिन इसका प्रेमानंद महाराज से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके गुरु और केली कुंज को इस मामले में नहीं घसीटना चाहिए।

कोहली को लेकर भी दावा, आश्रम ने बताया बेबुनियाद
कुछ खबरों में दावा किया गया कि विराट कोहली को 5 करोड़ रुपये देकर प्रेमानंद महाराज के आश्रम में बुलाया गया था। आश्रम से जुड़े शिष्य ने इस दावे को भी पूरी तरह बेबुनियाद बताया।फिलहाल इस मामले में सबसे बड़ा सवाल वहीं खड़ा है, जहां से पूरी कहानी शुरू होती है।दीपक ने आत्महत्या से पहले खुद को इतनी गंभीर चोट क्यों पहुंचाई? चार सीसीटीवी फुटेज सामने आ चुके हैं, पुलिस पूछताछ कर चुकी है और ग्राइंडर भी बरामद हुआ है, लेकिन इस सवाल का जवाब अभी नहीं मिला है। सुसाइड नोट भी नहीं मिला। इसलिए मौत का घटनाक्रम सीसीटीवी में दिखाई देने के बावजूद उसके पीछे की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है।

सऊदी अरब...

यमनी सेना ने बाब अल-मदेब के पास धुबाब इलाके और कई अन्य ठिकानों पर दोबारा कब्जा करने का दावा किया। इसके बाद सेना मोचा की ओर बढ़ी और यमनी सरकार ने शहर को भी हतियों से वापस लेने का दावा किया। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकारी बलों ने हतियों को पिछले महीने कब्जे में लिए गए ज्यादातर इलाकों से पीछे धकेल दिया है।

सऊदी अरब जल्द हतियों के खिलाफ शुरू कर सकता है सैन्य कार्रवाई
सऊदी अरब यमन में हती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध शुरू करने की तैयारी कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब एक लाख से अधिक सैनिकों को यमन में उतार सकता है। इसका उद्देश्य बाब अल-मदेब जलडमरूमध्य को हतियों के कब्जे से मुक्त कराना और समुद्री व्यापार के रास्ते को सुरक्षित करना है।रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के सामने सैन्य कार्रवाई के दो विकल्प हैं।पहला विकल्प: बाब अल-मदेब के आसपास सीमित हमला करके समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने की कोशिश की जाएगी।

दूसरा विकल्प: यमन के कई इलाकों में एक साथ सैन्य अभियान चलाया जा सकता है। इसमें अल-बायदा, मारिब, ताइज और अल-जौफ जैसे इलाके शामिल हो सकते हैं।

इस अभियान का नेतृत्व यमन की सेनाएं करेंगी, जिन्हें सऊदी अरब का समर्थन मिलेगा। जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब हवाई हमले भी कर सकता है। रियाद में सोमवार को हुई बैठक के साथ मक्का रक्षा समझौता औपचारिक रूप से लागू हो गया। इसके तहत एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। बैठक में तीनों देशों के वरिष्ठ रक्षा और सैन्य अधिकारी शामिल हुए। तुर्किये की ओर से विदेश मंत्री हाकान फिदान और रक्षा मंत्री याशार ग्यूलर, जबकि सऊदी अरब की ओर से विदेश मंत्री फ़िस फैसल बिन फरहान और रक्षा मंत्री फ़िस खालिद बिन सलमान मौजूद रहे।पाकिस्तान की ओर से उप प्रधानमंत्री इश्राक डार, सेना प्रमुख फ़ील्ड मार्शल असीम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ शामिल हुए। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल नौमान महमूद भी बैठक में मौजूद रहे। उन्हें मक्का रक्षा समझौते का महासचिव नियुक्त किया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महाराष्ट्र

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि ने स्वदेशी उन्नत सामग्रियों के जरिए भारत की एयरो-इंजन आत्मनिर्भरता को मजबूत किया



हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस प्रोपल्शन के सफर में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का एक भरोसेमंद भागीदार होने पर हर्ष का अनुभव करता है। उन्नत धातु विज्ञान और स्वदेशी सामग्री प्रौद्योगिकी में अपनी क्षमताओं के माध्यम से, मिधानि ने विभिन्न एयरो-इंजन कार्यक्रमों के लिए सिंगल-क्रिस्टल सुपरअलॉय और अन्य उच्च तापमान वाली सामग्रियों सहित महत्वपूर्ण मिश्र धातुओं के स्वदेशीकरण में योगदान दिया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कोरापुट डिवीजन में 2,000वें एयरो-इंजन की डिलीवरी भारत के बढ़ते स्वदेशी एयरो-इंजन इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह अवसर मिधानि के लिए विशेष महत्व रखता है, जो महत्वपूर्ण एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में संप्रभु क्षमता के निर्माण में रणनीतिक सामग्रियों और उन्नत मिश्र धातुओं की भूमिका को दर्शाता है। मिधानि के लिए यह विशेष रूप से उत्साहजनक था जब उसे माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष

एवं प्रबंध निदेशक श्री रवि के. से विभिन्न एयरो-इंजन कार्यक्रमों में इसके योगदान के लिए सराहना मिली। यह मान्यता एयरोस्पेस प्रोपल्शन में सच्ची आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्वदेशी सामग्री क्षमता के महत्व को पुष्ट करती है। इस मील के पत्थर पर टिप्पणी करते हुए, मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने कहा, एयरो-इंजन में आत्मनिर्भरता का सफर महत्वपूर्ण सामग्रियों में आत्मनिर्भरता से शुरू होता है। मिधानि को मांग वाले एयरो-इंजन अनुप्रयोगों के लिए उन्नत मिश्र धातुओं को विकसित करने और देशीकरण में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और देश के एयरोस्पेस इकोसिस्टम के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। 2,000वें इंजन का मील का पत्थर भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमता की ताकत को दर्शाता है, और मिधानि देश के वर्तमान तथा भविष्य के एयरोस्पेस कार्यक्रमों के लिए सामरिक सामग्रियों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामग्रियों से लेकर इंजनों तक, क्षमता से लेकर आत्मनिर्भरता तक - मिधानि भारत के एयरोस्पेस सफर को शक्ति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रासलीला और महारास लीला ने बांधा भक्तों को भक्ति के रंग में

भागवत कथा के षष्ठम दिवस कंस वध एवं श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाह प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर के एन.एम. गुड़ा स्थित साई बाबा मंदिर में राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस कथा वाचक सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, महारास लीला, कंस वध तथा श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाह का भावपूर्ण एवं विस्तृत वर्णन सुनाकर भक्तों को भक्ति रस का पान कराया। कथा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया।

सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की रासलीला सामान्य लौकिक लीला नहीं, बल्कि जीव और परमात्मा के बीच प्रेम एवं समर्पण का आध्यात्मिक प्रतीक है। वृंदावन में जब भगवान श्रीकृष्ण ने मधुर मुरली की धुन बजाई तो गोपियां सब कुछ छोड़कर उनके पास पहुंच गईं। गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम किसी सांसारिक स्वार्थ से जुड़ा नहीं था, बल्कि पूर्ण समर्पण और निष्काम भक्ति का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि रासलीला का संदेश है कि जब मनुष्य अपने अहंकार, मोह और सांसारिक बंधनों को त्यागकर परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण करता है, तब उसे परम आनंद की अनुभूति



होती है। कथा वाचक ने महारास लीला का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचाया। इस दौरान प्रत्येक गोपी को यह अनुभव हुआ कि श्रीकृष्ण केवल उसी के साथ हैं। भगवान ने अपनी योगमाया से सभी गोपियों के मन में भक्ति और प्रेम का भाव जागृत किया। महारास के माध्यम से भगवान ने यह संदेश दिया कि परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में विद्यमान है और सच्ची भक्ति में भक्त और भगवान के बीच कोई भेद नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की रासलीला में प्रेम, त्याग, विश्वास और समर्पण की भावना निहित है। भक्त जब अपने मन को भगवान के चरणों में समर्पित करता है तो उसके जीवन में आध्यात्मिक आनंद का संचार

होता है। इसके बाद सुश्री प्रियाकिशोर-ीजी ने भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा आगमन और कंस वध का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि अत्याचारी कंस ने अपने भय और अहंकार के कारण अनेक निर्दोषों पर अत्याचार किए और भगवान श्रीकृष्ण को समाप्त करने के लिए अनेक प्रयास किए। अंततः श्रीकृष्ण ने मथुरा पहुंचकर कंस का वध किया और उसके अत्याचारों से जनता को मुक्ति दिलाई। कथा के दौरान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाह प्रसंग का भी अत्यंत सुंदर एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया। सुश्री प्रियाकिशोरीजी ने बताया कि विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य और पति मान चुकी थीं। रुक्मिणी के भाई रुक्मी

ने उनका विवाह शिशुपाल से कराने का निर्णय लिया था। रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर उनसे विवाह करने और उन्हें अपने साथ ले जाने की प्रार्थना की। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मिणी की पुकार सुनकर विदर्भ पहुंचे और विवाह से पहले ही रुक्मिणी का हरण कर उन्हें अपने साथ ले गए। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विधिवत विवाह संपन्न हुआ। कथा वाचक ने कहा कि रुक्मिणी की भक्ति और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनका अटूट विश्वास इस प्रसंग का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है। सच्चे प्रेम, विश्वास और समर्पण से किया गया स्मरण भगवान तक पहुंचने का मार्ग बन जाता है। श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

मंगल गीतों और भक्ति भाव के बीच वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का अत्यधिक महत्व है। पितृपक्ष के पावन दिनों में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करना, कथा करवाना, पितरों के निमित्त दान करना तथा तन, मन और धन से इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेना पुण्यकारी माना गया है। उन्होंने कहा कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार समय देना, सेवा करना और धार्मिक आयोजन में सहयोग करना परिवार के पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम बनता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, प्रचार-प्रसार मंत्री रिद्धीश जागीरदार, सदस्य श्याम सुन्दर जांगिड़, निखिल सोमाणी, संजय गुप्ता, केदारनाथ लाटी, रामदेव काबरा, रामदयाल शर्मा, श्रीकिशन काबरा, आशा देवी सोमाणी, पंडित विद्या देवी शर्मा, जमुनादेवी लाटी, ज्योति शर्मा, जमुना देवी काबरा, शीला देवी शर्मा, कोमल बेहवाल, जेठमल शर्मा, रामहरी ठाकुर एवं भक्त शर्मा सहित समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

हिंदी के संवर्धन को समर्पित पावरग्रिड द.क्षे.-1 का हिंदी पखवाड़ा-2026 संपन्न



हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिनांक-14 से 30 सितंबर, 2026 के दौरान दक्षिण क्षेत्र-1 मुख्यालय एवं इसके अधीनस्थ उपकेन्द्रों में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस पखवाड़े के दौरान क्षे.मु. सिकंदराबाद सहित समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में कार्मिकों एवं उनके परिवार के

सदस्यों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं (जैसे-टिप्पणी/मसौदा लेखन, हिंदी वर्ग-पहेली, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, हिंदी दिवस पोस्टर चित्रण एवं अंताक्षरी आदि) का आयोजन किया गया। तत्पश्चात, दिनांक-30.09.2026 को क्षेत्रीय मुख्यालय सिकंदराबाद में पखवाड़ा

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री टी.एस.सी. राव, मुख्य महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी) ने सभी कार्मिकों से अपने कार्यालयीन कार्यों को हिंदी में करने हेतु आग्रह किया, साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया। समापन के इस अवसर पर क्षे. मुख्यालय के सभी कार्मिकों हेतु कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रमलक निदेशक(द.क्षे.-1) श्री दोमन यादव एवं अध्यक्ष दीप शिखा महिला समिति श्रीमती मीना यादव द्वारा सभी कवि/कवयित्री का स्वागत एवं अभिवादन किया गया। उक्त कार्यक्रम में शृंगार रस की कवयित्री श्रीमती मंजुश्री पुष्प कारेमोरे, हास्य रस के कवि श्री विपिन मलिहाबादी एवं संचालक/संयोजक, हास्य रस के कवि डॉ. प्रवीण चौबे-राही ने विभिन्न हास्य एवं शृंगार से सजी कविताओं से कार्यक्रम को सुशोभित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबन्धक(स.प्र.) श्री टी.वी.एस. प्रवीण कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता दर्ज की गयी।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने की गौ सेवा



हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन की ओर से काला हनुमान मंदिर, पिलर नंबर 160, अत्तापुर स्थित श्री कृष्ण गौशाला में भव्य गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। संजय भालवाले द्वारा आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 5 अक्टूबर 2026 को संस्था की गौ सेवा टीम ने गौ माता की सेवा के लिए हरा चारा, ताजी सब्जियां और बहु-विटामिन

औषधियां समर्पित कर सेवा कार्य किया। यह सेवा कार्यक्रम संस्था के मार्गदर्शक एवं संरक्षक श्री ओम प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस पुण्य अवसर पर संस्था के सक्रिय कार्यकर्ताओं में मनीष

पितृपक्ष की एकादशी पर अन्नसेवा बनी श्रद्धा और संस्कार का संदेश

हैदराबाद। पितृपक्ष की एकादशी के पावन अवसर पर हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और मानव सेवा का संगम बन गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को अन्न वितरित कर सेवा के साथ पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता एवं श्रद्धा का भाव प्रकट किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व और धार्मिक अवसर केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका मूल उद्देश्य मानवता, परोपकार और सेवा की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि अन्न सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सबसे सहज और प्रभावी सेवा है। अन्न केवल शरीर की भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जब



अन्न किसी जरूरतमंद तक पहुंचता है तो उसके साथ दया, करुणा और अप्रमत्त की भावना भी पहुंचती है। यही भावना समाज को जोड़ती है और सेवा को सार्थक बनाती है। सुनीता अग्रवाल ने कहा कि पितृपक्ष हमारे पूर्वजों को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। हमारे जीवन में माता-पिता, बुजुर्गों और पूर्वजों के त्याग एवं संस्कारों का गहरा प्रभाव रहता है। पितृपक्ष हमें अपनी जड़ों से जुड़ने

और यह समझने की प्रेरणा देता है कि आने वाली पीढ़ियों तक अच्छे संस्कार पहुंचाना ही पूर्वजों के प्रति सच्चा सम्मान है। इस दौरान किया गया दान, अन्नसेवा और जरूरतमंदों की सहायता श्रद्धा को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि एकादशी सनातन परंपरा में संयम, साधना और आत्मशुद्धि का विशेष पर्व है। एकादशी का आध्यात्मिक संदेश मनुष्य को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने, सात्विक

जीवन अपनाने और ईश्वर के प्रति भक्ति भाव रखने की प्रेरणा देता है। यह दिन केवल उपवास का नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने, नकारात्मक विचारों से दूर होने और अच्छे कर्मों की ओर बढ़ने का अवसर है। जब एकादशी के दिन भक्ति के साथ सेवा जुड़ती है, तो उसका भाव और भी व्यापक हो जाता है। कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, प्रितिका अग्रवाल एवं कैलाश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए अन्न वितरण किया और समाज में सेवा, सहयोग एवं सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि आज के समय में धार्मिक आस्था को मानव सेवा से जोड़ना समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

मंचेरियल कांग्रेस में गुटबाजी तेज, अंदरूनी संघर्ष बढ़ा

प्रेम सागर राव गुट के 9 पार्षदों समेत कई नेताओं के जगन गुट में जाने से बड़ी हलचल

मंचेरियल, 06 अक्टूबर
भ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले में कांग्रेस की राजनीति में अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। पार्टी के भीतर गुटबाजी को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक प्रेम सागर राव गुट से जुड़े 9 पार्षदों समेत कई नेताओं ने जगन गुट का रुख किया है। इन नेताओं के गुट बदलने से कांग्रेस के भीतर राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के दोनों गुटों के बीच मतभेद और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच भी इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और नेताओं के पाला बदलने से राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं वर्तमान मंचेरियल विधायक कोकिलाला प्रेम सागर राव के प्रभाव वाले क्षेत्र में उनके गुट को लगातार झटके लगने की चर्चा है। गौरतलब है कि मंचेरियल विधायक के रूप में कोकिलाला प्रेम सागर राव का नाम सरकारी रिकॉर्ड में भी दर्ज



है।

9 पार्षदों के जगन गुट में जाने की चर्चा

बताया जा रहा है कि 9 नगर पार्षदों सहित कई स्थानीय नेता मंत्री विवेक और सांसद वंशी के गुट से जुड़े जगन गुट में शामिल हो चुके हैं। लक्ष्मीपेट से तीन पार्षद पहले ही जगन गुट में शामिल हो चुके हैं, जबकि दो अन्य पार्षदों के भी जल्द शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हाल ही में मंचेरियाल नगर पालिका की पार्षद पुट्टा यशोदा के जगन गुट में शामिल होने के बाद यह संख्या बढ़कर 9 हो गई है। नगर निगम की आधिकारिक सूची में भी पुट्टा यशोदा का नाम पार्षद के रूप में दर्ज है। यशोदा को विधायक पीए-

सआर के करीबी लोगों में माना जाता था। उनके गुट बदलने के बाद कांग्रेस के अंदर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। राजनीतिक हलकों में इसे स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के भीतर चल रहे गुटिय समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

52 पार्षदों वाली कांग्रेस में बढ़ी गुटिय खींचतान

मंचेरियल जिले में कांग्रेस के 44 पार्षद चुनाव जीतकर आए थे। बाद में अन्य दलों के 8 पार्षदों के कांग्रेस में शामिल होने से यह संख्या बढ़कर 52 हो गई। अब विधायक गुट से पार्षदों के अलग होकर जगन गुट में जाने से विधायक के राजनीतिक प्रभाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

स्थानीय स्तर पर दंडेपल्ली, लक्ष्मीपेट, हाजीपुर और दोनबंदा क्षेत्रों से भी कई नेता, पूर्व सरपंच, मंडल प्रजा परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य तथा जिला प्रजा परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य जगन गुट के साथ जुड़ चुके हैं। आने वाले दिनों में कुछ और नेताओं के भी इस गुट में शामिल होने की अटकलें हैं।

आने वाले दिनों में और बदलाव के संकेत

इन घटनाक्रमों के बीच मंचेरियल कांग्रेस में गुटबाजी और अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आते दिखाई दे रहे हैं। हाल के दिनों में दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक खींचतान की खबरें भी सामने आई हैं। सितंबर में प्रेम सागर राव और मंतने जगमोहन राव से जुड़े समर्थक गुटों के बीच मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आने की रिपोर्टें प्रकाशित हुई थीं।

राजनीतिक हलकों में अब यह चर्चा तेज है कि लगातार हो रही इन जाँझिंग से क्या विधायक पीएसआर के राजनीतिक प्रभाव पर असर पड़ेगा। साथ ही, आने वाले दिनों में कांग्रेस के भीतर और कितने नेता एवं जनप्रतिनिधि गुट बदलते हैं, इस पर भी स्थानीय राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

योग और ध्यान से कार्याकल्प की ओर कदम

सीओडी हैदराबाद में ध्यान फाउंडेशन ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए आयोजित किया पांच दिवसीय योग कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ)।

फॉर ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट (सीओडी), हैदराबाद में भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए ध्यान फाउंडेशन की ओर से पांच दिवसीय योग कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सीओडी एक प्रबंधन संस्थान है, जो कार्यकारी प्रशिक्षण, परामर्श और नेतृत्व विकास के लिए समर्पित है।

यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को सनातन क्रिया जैसी प्रामाणिक एवं पारंपरिक योगिक साधनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कार्यक्रम में सरल आसनो के साथ प्राणायाम एवं श्वास अभ्यास कराया गया। इन अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी श्वास की गति धीमी करने और मन को शांत करने में सहायता मिली। इसके अलावा एकाग्रता बढ़ाने के लिए निर्देशित ध्यान का अभ्यास भी कराया गया, जिसने प्रतिभागियों को शांतिपूर्ण एवं गहरे विश्राम का अनुभव प्रदान किया।

सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंगों का समावेश : रीमा आनंद

ध्यान फाउंडेशन की शिक्षिका एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ रीमा आनंद ने बताया, “सनातन क्रिया अष्टांग योग के आठों अंगों को बेहद सरल रूप में समाहित करती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में संतुलन लाती है। इस अभ्यास की प्रभावशीलता और शक्ति को देश के प्रमुख डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने भी प्रमाणित किया है। इसमें भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), मुंबई भी शामिल है, जिसने एक प्रमाण पत्र जारी कर पुष्टि की थी कि ध्यान फाउंडेशन के साधक केवल तस्वीरें



देखकर लक्षणों की पहचान करने में सक्षम थे और कठिन आसनों के बाद भी उनकी नब्ब की दर कम हो गई थी, जो मन और शरीर पर पूर्ण नियंत्रण तथा उच्च इंद्रियों के जाग्रत होने को सिद्ध करता है।

कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने अपने अनुभव को लेकर अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कार्यक्रम को शानदार बताया और सत्रों का संचालन करने वाली समर्पित टीम की सराहना की। प्रतिभागियों ने ठोस शारीरिक एवं मानसिक बदलाव महसूस किए। इनमें गहरे व्यक्तिगत अनुभव के साथ विश्राम की अवस्था में सांसों की गति में उल्लेखनीय कमी भी शामिल रही, जिसे बेहतर आंतरिक स्थिरता का स्पष्ट संकेत बताया गया।

सेवा एवं पशु कल्याण के क्षेत्र में भी सक्रिय है ध्यान फाउंडेशन
ध्यान फाउंडेशन एक स्वेच्छिक, गैर-

लाभकारी आध्यात्मिक एवं धर्मार्थ संस्था है, जो अधिनी गुरुजी के मार्गदर्शन में संचालित है। पूरी तरह स्वयंसेवकों द्वारा बिना किसी व्यावसायिक उद्देश्य के संचालित यह संस्था वैदिक विज्ञान के प्रामाणिक ज्ञान के प्रसार के लिए समर्पित है।

आध्यात्मिक कार्यक्रमों के अलावा ध्यान फाउंडेशन अपनी व्यापक सामाजिक, मानवीय और पशु कल्याण पहलों के लिए भी जाना जाता है। संस्था की गतिविधियों में पूरे भारत में गौशालाओं का संचालन, आपातकालीन पशु बचाव, निःशुल्क भोजन वितरण अभियान तथा वंचित बच्चों की स्कूली शिक्षा में सहयोग शामिल है।

हैदराबाद क्षेत्र में सहयोग शामिल है। गौशालाएं चक्रूर और शमशाबाद में स्थित हैं। इन दोनों आश्रयों में 5,000 से अधिक बचाए गए गोवंश रहते हैं, जिनमें अधिकांश नंदी हैं।

सूत्रधार संस्था की 82वीं मासिक गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा एवं समाज सेवा के लिए समर्पित अग्रणी राष्ट्रीय संस्था 'सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था', हैदराबाद द्वारा 82वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह गोष्ठी पूर्णतः हिंदी भाषा एवं साहित्य को समर्पित रही।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। तुषि मिश्रा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद आयोजित काव्य गोष्ठी में उदयपुर से श्रीमती सपना श्रीपत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में हिंदी भाषा से संबंधित घनाक्षरी छंद में अपनी रचना प्रस्तुत की।

हैदराबाद से शोभा देशपांडे, अशोक कुमार दोशी, गजानन पांडेय, किरण सिंह, के. कुमार प्रसन्ना, सुहास भटनागर, सुनीता लुल्ला, बिनोद गिरि अनोखा, दर्शन सिंह और तुषि मिश्रा ने हिंदी भाषा के बढ़ते महत्व एवं उसके विस्तार पर अपनी सारगर्भित रचनाएं प्रस्तुत कीं। पुणे से वरिष्ठ साहित्यकार अजय कुमार सिन्हा ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया।

अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुए सरिता सुराणा ने सभी सहभागियों की रचनाओं की सराहना की और हिंदी भाषा से संबंधित अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। गोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार विभा रश्मि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंत में बिनोद गिरि अनोखा ने सभी उपस्थित साहित्यकारों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में शादान तहनीआथ सहित कई नए सदस्य शामिल



हैदराबाद, 6 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल-मलकाजगिरि जिले के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में मंगलवार को शादान तहनीआथ सहित कई नए सदस्य भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष जगमोहन सिंह, उपाध्यक्ष शेख शहजाहन तथा भाजपा

अल्पसंख्यक मोर्चा, मेडचल-मलकाजगिरि शहरी के अध्यक्ष जनाब सैयद खालिद शाह सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नए शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का पार्टी नेताओं ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पार्टी की रिति-नीति और विचारधारा से अवगत कराया गया।

विकास नीतियों से प्रभावित

होकर लोग भाजपा से जुड़ रहे : जगमोहन सिंह इस अवसर पर जगमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और पार्टी की विकास नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों के शामिल होने से अल्पसंख्यक मोर्चा को संगठनात्मक रूप से और मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया।

माधव ऑटिज्म फाउंडेशन का 'सपोर्ट ऑटिज्म' कार्यक्रम कल

स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर बच्चों के लिए डे-केयर सुविधा शुरू करने का उद्देश्य

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑटिज्म के क्षेत्र में सेवारत माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 8 अक्टूबर को 'सपोर्ट ऑटिज्म' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रेंड हिल्स स्थित फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के के.एल.एन. प्रसाद ऑडिटोरियम में आयोजित होगा।

फाउंडेशन के सचिव डॉ. दिलीप पंसारी ने आयोजन के संबंध में हिमायतनगर स्थित होटल प्लैटिनियम में आयोजित बैठक के दौरान जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए डे-केयर सुविधा शुरू करने के मूल उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिवारों के लिए सहायता, जागरूकता और सहयोग से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला मुख्य अतिथि होंगे। तेलंगाना राज्य के वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया विशिष्ट अतिथि तथा प्रमुख उद्योगपति एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथियों के रूप में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, सांवरिया एजुकेशन कंसलटेंट के चेयरमैन राजेश गोयल, लायंस इंटरनेशनल 320ए के जिला गवर्नर सुरेश



जगनानी, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सिंघल, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर, ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन मुस्ली मनोहर पलोड, एफटीसीसीआई के अध्यक्ष के.के. माहेश्वरी, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन, तेलंगाना भाजपा प्रवासी संघ के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, प्रमुख गजल-भजन गायक शरद गुप्ता, प्रमुख व्यवसायी सुरेश अग्रवाल (सीएसके), हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र केडिया, बदुका कॉलेज के सचिव श्री श्रीकिशन बदुका, पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद-भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (डब्ल्यूआईआरसी-आईसीएआई) की कोषाध्यक्ष सी.ए. पंकी केडिया तथा मैसेज एशिया पैसिफिक सुधा जैन उपस्थित रहेंगी।

आयोजन को लेकर हुई बैठक में फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ, उपाध्यक्ष अनिल सराफ, महेंद्र अग्रवाल, अशोक ज़िंदल, शीतल रंगटा, स्वाति अग्रवाल, अलका मिंडा, पंकज संधी, महेश उपाध्याय, दिनेश पंसारी, नंद गोपाल भट्ट, राजगोपाल मालू, शालिनी केडिया, हर्षिता अग्रवाल तथा प्रसन्ना राजू उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को भोजन कराना मानवता की सबसे अच्छी सेवा है : डॉ. अजय अग्रवाल

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क चैंबर के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने अपनी पत्नी मधु अग्रवाल की जन्म वर्षगांठ के अवसर पर निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में करीब 200 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया। भोजन वितरण के दौरान डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि वास्तविक रूप से जरूरतमंद और पात्र लोगों को भोजन कराना केवल मानवता की सबसे अच्छी सेवा ही नहीं, बल्कि भगवान की महान सेवा भी है। उन्होंने कहा कि ईश्वर चाहता है कि प्रत्येक मनुष्य अपने आसपास समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की देखभाल करे तथा उनकी आवश्यकताओं में सहयोग करे। उन्होंने बताया कि यह भोजन वितरण निःस्वार्थ सहायता समूह की ओर से आयोजित नियमित सेवा शिविर के अंतर्गत किया



गया। यह समूह पिछले छह वर्षों से निरंतर मानव सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है और जरूरतमंद लोगों तक भोजन सहित विभिन्न प्रकार की सहायता पहुंचा रहा है। डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना प्रत्येक सक्षम व्यक्ति की जिम्मेदारी है। ऐसे सेवा कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना भी मजबूत होती है।

अन्नदान से मानव सेवा का संकल्प मजबूत कर रहा राधे-राधे ग्रुप



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित कवर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना से आयोजित इस अन्नसेवा में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता और अपनत्व का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान केवल

भोजन देने की परंपरा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पवित्र माध्यम है। किसी भूखे व्यक्ति को सम्मान के साथ भोजन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा का यह सिलसिला निरंतर चलता रहे और समाज के अधिक से अधिक लोग मानव सेवा से जुड़ें।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा में दिखावा नहीं, भावना महत्वपूर्ण होती है। जब निस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की

सहायता की जाती है, तो उस सेवा में ईश्वर का आशीर्वाद स्वतः जुड़ जाता है। नियमित अन्नदान के माध्यम से राधे-राधे ग्रुप समाज में प्रेम, करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

भंवरलाल गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदुजा, अजय गुप्ता, गौरव गुप्ता और सोनल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी अन्नसेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और सेवा का यह अभियान आगे भी इसी

भावना के साथ निरंतर जारी रहेगा। राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा समाज में यह संदेश दे रही है कि किसी जरूरतमंद के लिए किया गया छोटा सा सहयोग भी उसके जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है। ग्रुप का उद्देश्य जाति, धर्म और वर्ग के भेद से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करना है।

सेवा, समर्पण और सहयोग के इसी संकल्प के साथ राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।